**Fourteenth Loksabha**

**Session : 8**
**Date : 18-08-2006**
**Participants : Pradhan Shri Ashok Kumar,Khanna Shri Avinash Rai,Kathiria Dr. Vallabhbhai,Libra Shri Sukhdev Singh,Dhindsa Shri Sukhdev Singh,Ajnala Dr. Rattan Singh**

an>

Title : Regarding public resentment due to closure of Industries in Punjab.

**श्री सुखदेव सिंह ढींडसा** : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले तो आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विाय उठाने का मौका दिया है। मैं पहले हाउस में एक बात क्लीयर करना चाहता हूं कि हिली स्टेट्स को इंडस्ट्री के लिए जो टोटल टैक्स हॉलिडे दी गई थी, हम उसके खिलाफ नहीं हैं। इसे तीन साल के लिए एक्सटैंड किया गया है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि पंजाब का क्या कसूर है जिससे पंजाब से सारी इंडस्ट्रीज चली गईं। आज यह हालत है कि 15 हजार से ज्यादा यूनिट्स बाहर चली गईं। मुझे दुख के साथ इस बात को कहना पड़ता है। मैं प्रधान मंत्री जा का बहुत आदर करता हूं। हम जब प्रधान मंत्री जी से मिले तो उन्होंने यही जवाब दिया कि यह एनडीए सरकार ने किया था। अगर एनडीए सरकार ने किया था तो हमने भी उस समय अपोज किया था। आपको शासन में आए सवा दो साल हो गए हैं और पंजाब में भी आपकी सरकार है तो आप पंजाब को क्यों उजाड़ रहे हैं। जब देश की रक्षा की जरूरत पड़ी और देश को अनाज की जरूरत पड़ी तो पंजाब ने सबसे ज्यादा हिस्सा दिया। वहां ऐसे हालात पैदा हो गए हैं...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I fully agree with you.

**श्री सुखदेव सिंह ढींडसा** : आपने11-12 साल पंजाब में जो देखा और पंजाब में जो मिलिटैंसी में हुआ, उससे पंजाब उजड़ गया। आप वहां एग्रीकल्चर की हालत देख रहे हैं। किसानों को बसाने के लिए आप कोई बात करें। आपने दस साल के लिए एक्सटैंड किया है तो खुशी की बात है लेकिन पंजाब को क्यों नहीं देते हैं, पंजाब का क्या कसूर है, पंजाब ने ऐसी कोई सी बात कर दी कि आप उसे इतनी सजा दे रहे हैं। वहां 26 हजार करोड़ रुपए का कर्जा किसानों के ऊपर है और 48 हजार रुपए पर-किसान पर कर्जा है। वहां खेती उजड़ गई। पंजाब क्या करेगा? हमने पाकिस्तान के साथ तीन जंग लड़ीं। किस का नुकसान हुआ? ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing is being recorded. Why are you shouting from there?

*(Interruptions)* ...*

**श्री सुखदेव सिंह ढींडसा** : अगर पंजाब की जरूरत पड़ती है तो वह सबसे अधिक सहायता करता है। लड़ाई में पंजाब का सबसे अधिक नुकसान होता है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि हमारा क्या कसूर

---

* Not Recorded

है यह बताएं। हमें एग्जम्शन क्यों नहीं दी जा रही है और पंजाब को क्यों उजाड़ा जा रहा है? मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि पंजाब को बचा लो। वहां इंडस्ट्री उजड गई, किसानी उजड़ गई।

**अध्यक्ष महोदयः** आपने बहुत अच्छे ढंग से अपनी बात उठायी cè[R19]।

...(व्यवधान)

**डॉ. वल्लभभाई कथीरिया (राजकोट)** : सर, मेरा नाम इस विाय के साथ सम्बद्ध किया जाए।

**अध्यक्ष महोदय :** आप अपना नाम लिखकर भेजिये।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आप स्लिप्स में नाम लिखकर भेज दीजिए।

**श्री अविनाश राय खन्ना (होशियारपुर)** : महोदय, पंजाब के बारे में मैं भी कुछ कहना चाहता हूं।

**अध्यक्ष महोदय :** हम बोल रहे हैं कि आप लोग अपने नाम लिखकर भेज दीजिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am sorry, but this is not allowed.

… (*Interruptions*)

**अध्यक्ष महोदय :** डा.वल्लभभाई कथीरिया, श्री अशोक प्रधान, श्री अविनाश राय खन्ना, डा.रतन सिंह अजनाला तथा सरदार सुखदे व सिंह लिब्रा के नाम श्री सुखदेव सिंह ढींडसा द्वारा उठाये गये विाय के साथ सम्बद्ध किये जाते हैं।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आपने नोटिस देने का कट भी नहीं किया। श्री हरिन पाठक जी, आप बोलिये।

**श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर)** : अध्यक्ष महोदय, मेरा बहुत महत्वपूर्ण विाय है, मैंने नोटिस दिया है।

MR. SPEAKER: I will allow you, but I beseech you to please cooperate with the Chair.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: An hon. Member is raising an important matter concerning floods in the State, and I have given him an opportunity to raise it. How can he raise it if he is disturbed like this?

… (*Interruptions*)